श्रीमान जवाब) पुनः प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के अधिकार को सुरक्षित रखते हुये उक्त प्रार्थना पत्र विड्रो करता है

Faizullah (signature) Adv. 23/5/25

23/5/2025

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी श्री मौहम्मद युसुफ प्रार्थी की ओर से उपस्थित है। वकील प्रार्थी द्वारा पत्रावली पर निवेदन किया गया कि प्रार्थी पत्रावली पर आगे कोई कार्यवाही नही चाहते हैं। अतः नवीन प्रार्थना पत्र पेश करने के अपने अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए, प्रार्थना पत्र विड्रो करता हूँ। इस बाबत वकील प्रार्थी द्वारा पत्रावली आदेशिका पर टिप्पणी दर्ज की गई। वकील प्रार्थी को सुना गया। वकील प्रार्थी पत्रावली पर आगे कोई कार्यवाही नही चाहते हैं। ऐसी स्थिति में पत्रावली पर आगे कोई कार्यवाही अपेक्षित नही रह जाती है। अतः वकील प्रार्थी को लिखित टिप्पणी तथा मौखिक कथनों को स्वीकार किया जाकर नवीन प्रार्थना पत्र पेश करने के अधिकार को सुरक्षित रखते हुये प्रार्थना पत्र पर कार्यवाही इसी स्तर पर समाप्त कि जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

SDM, [signature] BAMNAL